

अतीत

गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर

मानव जीवन क्षणभंगुर है, फिर भी हम प्रायः अतीत के दुःखों और स्मृतियों के बोझ तले दबे रहते हैं। बाल्यावस्था की निर्मल हँसी, नेत्रों की वह स्वाभाविक चमक और सहज प्रसन्नता समय के साथ कहीं विलुप्त-सी हो जाती है। उसके स्थान पर क्रोध, संताप और कुंठा का आवरण छा जाता है। जब जीवन इतना संक्षिप्त है, तो हम इसे विषाद में क्यों व्यतीत करें? कष्टदायक स्मृतियों से उबरने का प्रथम उपाय है-अतीत को स्वप्नवत् देखना। जो बीत चुका है, वह पुनः लौटकर नहीं आता। यदि हम अपने अतीत को एक चलचित्र की भाँति देखें, तो उससे उत्पन्न पीड़ा का प्रभाव कम होने लगता है। केवल एक क्षण के लिए अतीत को विस्मृत कर वर्तमान में स्थित हो जाना ही जीवन को पुनः प्रस्फुटित कर देता है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियाँ आती-जाती रहती हैं; यह परिवर्तन ही जीवन का स्वभाव है। अतः यह स्मरण रखना कि हम पूर्व में भी कठिनाइयों से उबरे हैं, हमें वर्तमान संकटों से पार पाने का आत्मविश्वास प्रदान करता है। द्वितीय उपाय है - आत्मबल और शौर्य का जागरण। मनुष्य के भीतर अपार ऊर्जा और सामर्थ्य निहित है, किंतु वह प्रायः स्वयं उस पर विश्वास नहीं करता। जब व्यक्ति यह संकल्प करता है कि मैं प्रत्येक परिस्थिति का सामना कर सकता हूँ, तभी उसके भीतर सुप्त शक्ति जाग्रत होती है। यह आंतरिक विश्वास ही उसे परिस्थितियों का प्रबंधन करने में समर्थ बनाता है। तृतीय उपाय है-जीवन की अनित्यता का बोध। चाहे व्यक्ति सफलता के शिखर पर हो अथवा असफलता के गर्त में, अंततः प्रत्येक को मृत्यु का वरण करना है। यह बोध जीवन के प्रति एक नवीन दृष्टिकोण प्रदान करता है। जब हम अपने जीवन और घटनाओं के साक्षी बन जाते हैं, तब राग-द्वेष का प्रभाव क्षीण हो जाता है और एक सहज शांति का अनुभव होता है। जीवन एक नाटक की भाँति है, जिसका पटाक्षेप निश्चित है; अतः उसमें अत्यधिक आसक्ति अनावश्यक है। चतुर्थ और अंतिम उपाय है - एक उच्चतर शक्ति पर विश्वास। मनुष्य कभी भी पूर्णतः एकाकी नहीं होता। एक करुणामयी, दयालु सत्ता सदैव उसके साथ होती है, उसका मार्गदर्शन करती है। चाहे उसे ईश्वर कहा जाए, चेतना या उच्चतर आत्मा उसका अस्तित्व निर्विवाद है। इस विश्वास से मन को आश्रय और स्थिरता प्राप्त होती है। अंततः, जीवन का सार बौद्धिक समझ में नहीं, अपितु अनुभव में निहित है। प्रेम, आनंद और शांति को शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता; उन्हें केवल जिया जा सकता है।

आजम खान और अब्दुल्ला आजम को राहत

इलाहाबाद कोर्ट ने जमानत याचिका मंजूर की, 2 पैन कार्ड से जुड़ा है मामला

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान को दो पैन कार्ड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिली है। हाईकोर्ट ने दोनों की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए सजा निलंबित कर दी है। हालांकि, दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग अदालत ने खारिज कर दी है। दोनों ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। उन्होंने दोषसिद्धि पर रोक लगाने, सजा निलंबित करने और अंतरिम जमानत पर रिहा करने की मांग करते हुए क्रिमिनल रिवीजन याचिका दाखिल की थी। 15 अक्टूबर को सुनवाई पूरी होने के बाद हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब जस्टिस समित गोपाल की सिंगल बेंच ने इस मामले में फैसला सुनाया है। यह मामला अब्दुल्ला आजम खान के दो पैन कार्ड होने से जुड़ा है। इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने आजम खान और अब्दुल्ला आजम को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी। दोनों ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने अब जमानत अर्जी मंजूर करते हुए



सजा निलंबित कर दी है, लेकिन दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग स्वीकार नहीं की है।

बता दें कि 2 पैन कार्ड का मामला काफी समय से चल रहा है। ऐसे में सभी की निगाहें इस बात पर टिकी थी कि कोर्ट क्या फैसला सुनाता है। वैसे तो आजम खान और उनके परिवार की मुश्किलें बीते लंबे समय से लगातार बढ़ रही हैं और एक के बाद एक उन्हें कानूनी चीजों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन आज का दिन आजम के लिए राहत की खबर लेकर आया है। वहीं, एक अन्य मामले आजम खान की मुश्किलें लगातार बढ़ती ही जा रही हैं। 28 अक्टूबर को ही आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर ईडी का बड़ा एक्शन सामने आया था। इस दौरान 426 करोड़ की संपत्ति अटैच की गई थी और 1170 करोड़ बाजार कीमत आंकी गई थी।

प्रवर्तन निदेशालय के लखनऊ जोनल ऑफिस ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और इमारतों को अटैच करने की कार्रवाई की थी।

ईडी का आरोप है कि यूनिवर्सिटी के निर्माण में सरकारी धन, सरकारी ठेकों से जुड़ी रकम और निर्माण सामग्री के कथित दुरुपयोग से जुड़ी गड़बड़ियां सामने आईं।

जान्हवी के मजाक पर नाराज हुए लोग



मुंबई (एजेंसी)। करण जौहर का पॉपुलर चैट शो कॉफी विद करण सीजन 9 के तीसरे एपिसोड में वरुण धवन और एक्ट्रेस जान्हवी कपूर नजर आईं। शो में रैपिड फायर सेगमेंट के दौरान जान्हवी ने कुछ ऐसा कहा, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। जानिए क्या है पूरा मामला। दरअसल, जान्हवी कपूर हाल ही में अपनी फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के सह-कलाकार वरुण धवन के साथ कॉफी विद करण में पहुंचीं। शो के रैपिड फायर राउंड के दौरान होस्ट करण जौहर ने जान्हवी से पूछा कि वह वीर पहाड़िया को डेटिंग को लेकर क्या सलाह देना चाहेंगी। बता दें कि वीर, जान्हवी के पार्टनर शिखर पहाड़िया के भाई हैं। इस सवाल के जवाब में जान्हवी ने कहा, उसे कभी कॉन्सर्ट में मत ले जाना। जान्हवी की यह बात सुनकर वरुण धवन, करण जौहर और शो में नजर आए अर्जुन कपूर भी कुछ देर के लिए शांत हो गए। जान्हवी ने इस बात पर आगे कोई सफाई नहीं दी, लेकिन उनका यह छोटा-सा जवाब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया। जान्हवी के इस बयान को लोग दिसंबर 2025 में हुए उस कॉन्सर्ट से जोड़ रहे हैं, जिसमें तारा सुतारिया ने सिंगर एपी ढिल्लों के साथ स्टेज पर परफॉर्म किया था। उस दौरान एपी ढिल्लों ने तारा को गले लगाया और उनके गाल पर किस किया था। इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तारा और वीर के रिश्ते को लेकर कई तरह की अटकलें लगने लगी थीं। कुछ लोगों ने वीर के रिएक्शन को लेकर भी सवाल उठाए थे। हालांकि, वीर ने बाद में स्पष्ट किया था कि उनके असहज दिखने का दावा करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा वीडियो कॉन्सर्ट के किसी दूसरे हिस्से का था। वहीं, तारा ने भी अपने बारे में फैलाई जा रही गलत बातों और कथित पेड पीआर कैंपेन पर नाराजगी जताई थी।

एमएलसी चुनाव में कांग्रेस को करारा झटका

बैलेट पेपर से हुए चुनाव में मिली सिर्फ 1 सीट, यूपी में बीजेपी की 6, सपा की 5 सीटें

नयी दिल्ली (एजेंसी)। देश के 4 राज्यों की विधान परिषद सीटों के चुनाव नतीजों ने देश की सियासत में नई बहस छेड़ दी है। उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और कर्नाटक में हुए इन चुनावों में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा। कांग्रेस 28 सीटों पर सिर्फ एक सीट ही जीत पाई। बीजेपी ने अपना दबदबा बनाए रखा, जबकि समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में बेहतर प्रदर्शन किया। बिहार में प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी भी एक सीट जीतने में कामयाब रही। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैलेट पेपर से हुए चुनावों के नतीजों को लेकर कांग्रेस पर तंज कसा है।

उत्तर प्रदेश की 11 विधान परिषद सीटों पर चुनाव हुए। करीब 36 घंटे की मतगणना के बाद उपलब्ध नतीजों और रुझानों के मुताबिक, बीजेपी को 6 और सपा को 5 सीटें मिलने का अनुमान है। साल 2020 में भी बीजेपी के पास 6 सीटें थीं, जबकि सपा की सीटें 3 से बढ़कर 5 हो गईं। इस तरह बीजेपी को न फायदा हुआ, न नुकसान, लेकिन सपा ने 2 सीटों का फायदा हासिल किया। सपा ने वाराणसी शिक्षक, आगरा शिक्षक और इलाहाबाद-झांसी स्नातक सीट पर जीत दर्ज की। नतीजों से अखिलेश यादव उत्साहित हैं, लेकिन उन्होंने कार्यकर्ताओं को सावधानी बरतने की सलाह दी। अखिलेश ने कहा कि जोश में होश नहीं खोना चाहिए और जीत का जश्न शांति से मनाना चाहिए। उन्होंने चेताया कि अगर कार्यकर्ताओं ने हुड़दंग किया, तो बीजेपी उनकी जीत को गुंडागर्दी बताने लगेगी।



अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि मतगणना में गड़बड़ी नहीं होती, तो सपा सभी सीटें जीत सकती थी। उन्होंने गिनती के दौरान हुए विवादों के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किए। आगरा में उन्होंने आरोप लगाया कि सपा उम्मीदवार आकाश अग्रवाल पर हमला किया गया और बीजेपी ने गड़बड़ी करके चुनाव जीतने की कोशिश की। हालांकि, आखिरकार आकाश अग्रवाल ही चुनाव जीत गए। मतगणना के दौरान आकाश धरने पर भी बैठे थे। जीत के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें जनता का भारी समर्थन मिला, इसलिए वह चुनाव जीत पाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने चुनाव में गड़बड़ी करने की कोशिश की। आकाश ने चुनावी माहौल पर चिंता जताते हुए कहा कि विधान परिषद चुनावों की मौजूदा स्थिति देखकर लगता है कि भविष्य में शायद वही पार्टियां उम्मीदवार उतारेंगी, जिनकी सरकार होगी। वाराणसी की स्नातक और शिक्षक, दोनों विधान परिषद सीटें पहले भी सपा के पास थीं। इस बार भी दोनों सीटों पर सपा की जीत तय बताई गई। मतगणना के दौरान बीजेपी और सपा के एजेंटों के बीच कहासुनी हुई। अखिलेश ने इसे मुद्दा बनाते हुए कहा कि बनारस ने बीजेपी की नाकामी का रोड शो निकाल दिया है और अब नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। सपा नेता उदयवीर सिंह ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता इधर-उधर की बातें करते हैं, लेकिन यह नहीं बताते कि वाराणसी में उनकी हार क्यों हुई। उदयवीर ने दावा किया कि वाराणसी में बीजेपी की हार इस बात का संकेत है कि आगामी विधानसभा चुनाव में क्या हो सकता है।

यूपीः नितिन नवीन ने राष्ट्रीय महासचिवों के साथ की बैठक

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक की। इसमें संगठन से जुड़े विभिन्न मुद्दों और आने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों पर चर्चा हुई। इस बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष, स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े और सुनील बंसल समेत अन्य नेता शामिल हुए। इस बैठक के बाद नितिन नवीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों और आगामी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इससे पहले नितिन नवीन ने भाजपा के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत दिल्ली के चांदनी चौक में एक मार्च का नेतृत्व किया। यह मार्च ऐसे समय में निकाला गया, जब एसआईआर को लेकर राजनीतिक तनाव बढ़ रहा है और कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने वोट चोरी के आरोप लगाए हैं। सत्ताधारी पार्टी ने अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट करके विपक्ष के अभियान का जवाब देने की कोशिश की है। इसी प्रयास के तहत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को चांदनी चौक में मार्च का नेतृत्व किया। उन्होंने गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस-आई (जिसे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने जनवरी 1978 में बनाया था) का मतलब कांग्रेस-इंदिरा नहीं, बल्कि इटैलियन कांग्रेस है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस की चुनावी हार को नागरिकों द्वारा किया गया शुद्धिकरण करार दिया।



रेस कोर्स मस्जिद में नमाज की इजाजत पर दिल्ली हाईकोर्ट की सुरक्षा कारणों से सरकार को नहीं कर सकते मजबूर

याचिकाकर्ता का आरोप, मस्जिद में जाने से रोका जा रहा सुरक्षा को देखते हुए सरकार की दलील सही : कोर्ट

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को रेस कोर्स मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए लोगों को जाने की इजाजत देने का आदेश देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इलाके में तोड़फोड़ का काम चल रहा है और ऐसे में लोगों की सुरक्षा को देखते हुए केंद्र सरकार को मस्जिद में नमाज की इजाजत देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। जस्टिस अनिश दयाल की बेंच मस्जिद में नमाज पढ़ने जाने वाले सैयद अहमद सऊद की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि लोगों को मस्जिद में जाने से रोका जा रहा है। उन्होंने मस्जिद को तोड़े जाने की आशंका जताते हुए इसे सुरक्षा देने और नमाज पढ़ने के लिए रास्ता खोलने की मांग की थी। केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील आशीष दीक्षित ने कोर्ट को बताया कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के आवेदन पर फैसला होने तक मस्जिद को नहीं तोड़ा जाएगा। हालांकि,



आसपास के इलाके में तोड़फोड़ चलने के कारण वहां लोगों को जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। सरकार ने यह भी बताया कि इलाके में मौजूद एक मंदिर में भी लोगों को जाने की इजाजत नहीं दी जा रही है। इस पर कोर्ट ने कहा कि अगर तोड़फोड़ के दौरान किसी को चोट लगती है, तो मुआवजा कौन देगा? कोर्ट ने माना कि सुरक्षा को देखते हुए सरकार की दलील सही है। याचिका में कहा गया है कि मस्जिद 150 साल से ज्यादा पुरानी है। 1977 में इसे वक्फ संपत्ति के रूप में दर्ज किया गया था।

याचिकाकर्ता के मुताबिक, दिल्ली सरकार की 2009 की अधिसूचना के तहत इसे ग्रेड-2 विरासत स्थल का दर्जा भी मिला हुआ है। याचिका में यह भी दावा किया गया कि आसपास की झुग्गियों को हटाने के दौरान 7 अक्टूबर को मस्जिद की बिजली और पानी की सप्लाई काट दी गई थी। याचिकाकर्ता का कहना है कि मस्जिद उन जगहों की सूची में शामिल नहीं थी, जिन्हें अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के तहत खाली कराया जाना था। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार के इस बयान को रिकॉर्ड पर लिया कि वक्फ बोर्ड के आवेदन पर फैसला होने तक मस्जिद को नहीं तोड़ा जाएगा। कोर्ट ने सरकार को मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में हारे उम्मीदवार ने छोड़ा देश

ब्राजील (एजेंसी)। के राष्ट्रपति चुनाव में लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा की जीत हुई है। 80 वर्षीय लूला को चौथी बार राष्ट्रपति बनने का मौका मिला है। राष्ट्रपति उम्मीदवार फ्लावियो बोल्सोनारो को हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ बोल्सोनारो ने अपनी पत्नी और बेटियों के साथ देश छोड़ दिया है। वह परिवार संग मियामी पहुंचे। उन्होंने राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के हाथों चुनाव में हार स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

ट्रंप प्रशासन ने दी थी अमेरिकी वीजा की मंजूरी

अर्जेंटीना के अधिकारियों और उड़ान संबंधी आंकड़ों के अनुसार, 45 वर्षीय सीनेटर मंगलवार को अपनी पत्नी और दो बेटियों के साथ पहले अर्जेंटीना गए और फिर इक्वाडोर पहुंचे। इसके बाद वह मियामी पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी फ्लावियो बोल्सोनारो ने मई में व्हाइट हाउस का दौरा किया था। ट्रंप प्रशासन ने इस सप्ताह उन्हें और उनके परिवार को अमेरिकी वीजा देने की मंजूरी दी थी। फ्लावियो के पिता जायर बोल्सोनारो भी 2022 के राष्ट्रपति चुनाव में लूला से हारने के बाद फ्लोरिडा चले गए थे। हालांकि, वह तीन महीने बाद ब्राजील लौट आए थे। फ्लावियो बोल्सोनारो ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट की जांच के दायरे में हैं। उन पर भ्रष्टाचार, धनशोधन और कर चोरी के आरोप हैं। कोर्ट ने उन्हें मंगलवार दोपहर तक अपना सामान्य और राजनयिक पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका कि उन्होंने आदेश का पालन किया या नहीं। उनके सहयोगियों ने मंगलवार देर रात कहा कि उनके पास इटली का पासपोर्ट भी है। ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन अंतिम नतीजों में मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने बाजी मार ली। 25 अक्टूबर 2026 को हुए दूसरे चरण के मतदान में लूला को 51.79 फीसदी वोट मिले, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो को 48.21 फीसदी वोट हासिल हुए। लूला ने करीब 44 लाख वोटों के अंतर से जीत दर्ज कर राष्ट्रपति पद पर फिर से अपना कब्जा बरकरार रखा।

यूपी में प्रदर्शन में शामिल हुए तो नहीं मिलेगी सरकारी नौकरी

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी मे आवेदकों के चरित्र सत्यापन को लेकर नीति और सख्त की गई है, जिसमें बताया गया है कि राजनीतिक विचारधारा के आधार पर ही किसी को अयोग्य नहीं माना जाएगा, लेकिन किसी भी तरह के हिंसक प्रदर्शन में हिस्सा लेने पर सरकारी नौकरी मिलने में दिक्कत हो सकती है। इस तरह से अब उत्तर प्रदेश में जो प्रदर्शन या फिर किसी हिंसक आंदोलन में शामिल होंगे, उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। यूपी सरकार के इस आदेश में कहा गया है कि यूपी में किसी भी प्रदर्शन में शामिल होकर उसमें किसी भी तरह की हिंसा हुई तो ऐसे अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी नहीं दी जाएगी। यूपी मे आंदोलन में शामिल होने के लिये हिंसा की तो सरकारी नौकरी से होंगे दूर। सरकारी नौकरी के लिए आवेदकों के चरित्र सत्यापन को लेकर नीति और सख्त कर दी है। नये नियम के तहत यूपी के सरकारी विभागों, निगमों, परिषद और स्थानीय निकायों मे सीधी भर्ती के तहत चयन में चरित्र सत्यापन पर सख्ती की गई है। राजनीतिक विचारधारा के आधार पर किसी को नहीं माना जायेगा अयोग्य। नियुक्ति विभाग के प्रमुख सचिव एम देवराज ने निर्देश दिया कि केवल एफआईआर दर्ज होने या जांच लंबित रहने से अभ्यर्थी स्वत: अयोग्य नहीं माना जायेगा। पहले से सरकारी सेवा में कार्यरत कर्मचारियों

चरित्र प्रमाण पत्र के सख्त नियम हुए जारी

का नहीं होगा सत्यापन। पिछले विभाग से ली जा सकती है जानकारी, पुलिस को 30 दिन के भीतर देनी होगी सत्यापन रिपोर्ट। उपरोक्त प्रस्तरों में किसी बात के होते हुये भी किसी व्यक्ति को मात्र उसकी राजनीतिक विचारधारा के कारण नियुक्ति हेतु अनुपयुक्त नहीं माना जायेगा किन्तु ऐसे व्यक्ति जो किसी ऐसे संगठन के सदस्य हैं, जिसका संकल्पित उद्देश्य हिंसात्मक रीति से समाज की विद्यमान व्यवस्था को बदलना है, सरकार के अधीन नियुक्ति के लिये अपात्र समझे जायेंगे।

आधा सेंटीमीटर से भी छोटे छेद से दूरबीन द्वारा फुल स्पाईन की हर तरह के ऑपरेशन के लिए पूर्वी भारत का पहला केन्द्र
● कोई चीरा नही ● बेहोशी की जरूरत नही
● कम खर्च / रियायती ● खून चढ़ाने की जरूरत नही
● दो घंटे में चलना, दर्द रहित ● अगले दिन छुट्टी
किंग्सवे मेडिकल सेन्टर, पटना
Mob. : 7033000109
(पी.जी. आई. चंडीगढ़ के डाक्टरों द्वारा संचालित)
देश व दुनिया के सर्वोच्च संस्थानों में कार्य अनुभव
डा. आनंद भूषण
MBBS (मणिपाल), MS ऑर्थो, राजस्थान (गोल्ड मेडल)
SRD (पी.जी.आई., चंडीगढ़)
किंग्स कॉलेज, लंदन, UK ● WWL हॉस्पीटल, राइल्टिंगटन, इंग्लैंड
हड्डी जोड़, नस, लिगामेंट एवं गठिया रोग विशेषज्ञ
स्पाईन एंडोस्कोपी व ज्वाइंट सर्जन (दूरबीन पद्धति)

संजय राउत ने सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई से बिना शर्त माफी मांगी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने अवमानना के मामले में सुप्रीम कोर्ट और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया से अवमानना मामले में माफी मांग ली है। संजय राउत ने कहा है कि वो चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया और सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगते है। संजय राउत ने कहा है कि वो स्वेच्छा से, बिना किसी दबाव या शर्त के माफी मांग रहे है। उन्हें अपने कमेंट पर पछतावा है।वे अपनी टिप्पणियों को किसी भी तरह सही ठहराने या उनका बचाव करने की कोशिश नहीं कर रहे हैं।



शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने अपने माफीनामे में कहा है कि उनके मन में सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका के प्रति बहुत सम्मान है। वे मानते हैं कि न्यायपालिका कानून का शासन बनाए रखने, संविधान के मूल्यों की रक्षा करने और नागरिकों के अधिकार सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्हें दुख है कि उनकी टिप्पणियों से यह कार्यवाही शुरू हुई। संजय राउत ने कहा है कि उन्हें अपनी टिप्पणी से हुई परेशानी का पछतावा है। वे मानते हैं कि न्यायपालिका के बारे में सार्वजनिक रूप से बोलते समय बहुत सावधानी और जिम्मेदारी बरतनी चाहिए। संजय राउत ने वायदा किया है कि वो भविष्य में न्यायपालिका के बारे में सार्वजनिक बयान देते समय अपनी जिम्मेदारी समझेंगे और सोच-समझकर बोलेंगे।

वे भविष्य में अधिक सावधानी और संयम बरतेंगे। संजय राउत ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया है कि उनकी बिना शर्त माफी स्वीकार की जाए, उनके विरुद्ध जारी नोटिस को समाप्त किया जाए और इस कार्यवाही को यहीं खत्म कर दिया जाए।

मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर दो बसों और कैंटर की टक्कर

कई यात्री घायल, ओवरटेक करने के दौरान हुआ हादसा

लखनऊ (एजेंसी)। गुरुवार तड़के यमुना एक्सप्रेसवे पर तेज टक्कर के बाद अफरा-तफरी मच गई। नोएडा से आगरा की ओर जा रहे दो यात्री बसें और कांच से भरा एक कैंटर आपस में भिड़ गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कैंटर पलट गया और बसों में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। हादसे में आधा दर्जन से अधिक यात्रियों के घायल होने की खबर है। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

पुलिस के मुताबिक, दुर्घटना गुरुवार सुबह करीब 3:15 बजे यमुना एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन 101 के पास हुई। कांच से भरा आयशर कैंटर आगरा की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही विश्वनाथ ट्रैवल्स की बस ने उसे ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान बस कैंटर से टकरा गई। अभी यह टक्कर हुई ही थी कि पीछे से आ रही ट्रैवल पॉइंट की दूसरी बस भी कैंटर से जा भिड़ी। लगातार हुई टक्करों के चलते कैंटर



सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद दोनों बसों में बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया। कई यात्रियों को चोटें आईं और मौके पर मदद के लिए चीख-पुकार सुनाई देने लगी।

दुर्घटना की जानकारी मांट टोल प्लाजा के कंट्रोल रूम और कॉलर विनय यादव के जरिए पुलिस तक पहुंची। सूचना मिलते ही मांट थाना प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। इसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कराया गया। पुलिस ने जेपी और सरकारी एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां उनका उपचार कराया गया। घायलों में चांदनी, आमिर, आजाद, वसीम और अजर बानो समेत अन्य यात्री शामिल बताए गए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। यमुना एक्सप्रेसवे पर तड़के हुए इस हादसे के बाद कुछ समय के लिए घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को मदद दिलाई और स्थिति संभाली। हाल ही में कानपुर में हुए एक दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

अब आपके शहर पटना में राम मनोहर लोहिया हास्पीटल, नई दिल्ली के 25 वर्षो के अनुभवी प्रख्यात हदय रोग विशेषज्ञ डॉ0 ए0 के ठाकुर उपलब्ध है।
HEALTHY HEART CLINIC
Dr. A. K. THAKUR
MD, DM, CARDIO (Gold Medalist)
PGI, RML Hospital, New Delhi
Visiting Consultant at
Asian City Hospital, Patna
ECG, ECHO, HOLTER, TMT, ABPM, ILR, ANGIOGRAPHY, ANGIOPLASTY, PACEMAKER ICD, CRTD इत्यादि की सुविधा उपलब्ध है।
आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री राहत योजना एवं TPA / इंश्योरेंस से कैशलेस इलाज की व्यवस्था
Adult Vaccination Available
एम 2/36, श्रीकृष्णापुरी, मिश्रा फार्मा के बगल में, कृष्णा अपार्टमेंट के सामने, बोरिंग रोड, पटना
7061824674, 7250257778